कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 32 कानपुर, मंगलवार 30 जुलाई 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

जलीय कृषि पर हुआ वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय मंथन

कानपुर । बायो लीग इंडिया एवं सीएसए के अधीन संचालित मत्स्य महाविद्यालय, इटावा द्वारा पशु चिकित्सा मत्स्य पालन एवं पशु पालन विषय पर दक्षिण अफ्रीका में वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने की उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में इस आयोजन के लिए डॉ. एन. के. शर्मा को बधाई देते हुए समस्त आयोजन समिति के सदस्यों और प्रतिभागियों को इस विषय की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए इस आयोजन की सफलता की कामना की। डॉ एनके शर्मा ने जलीय कृषि में नवीनतम रुझान और प्रगति विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए जलीय कृषि में अपनाई जाने वाली नवीनतम तकनीकियों से अवगत कराया। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर और मत्स्य महाविद्यालय, इटावा की प्रगति आख्या से देश-विदेश से प्रतिभाग कर रहे वैज्ञानिकों को अवगत कराया।सम्मेलन में प्रमुख रूप से डॉ. जॉन विनसेट आई मनालो वैज्ञानिक फिलिपींस; डॉ. रॉय सी विलेनुआवा वैज्ञानिक फिलिपींस; प्रोश वर्नेड मुलवा फूलन्नदा, केन्या प्रोश डा वेंजामिन ओवुकोहो वैज्ञानिक, घाना, डॉ. भास्करन मनीमरन फाउंडर वाइस चांसलर,डा एन फेलिक्स कुलपति तमिलनाडु, डा. जे जयललिता फिसरिस विश्वविद्यालय, तमिल नाडु,आदि देश विदेश के वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। इस तकनीकी सत्र में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एनिमल हसबेंडरी एवं डेरी विभाग के शिक्षक और शोध छात्रों के साथ साथ कृषि इंजिनियरिंग कॉलेज, इटावा और मत्स्य महाविद्यालय, इटावा के शिक्षकों ने भी अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

email: shahardayaranews@gmail.com

दैनिक

शहर दायरा न्यूज

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 9 अंक: 338 कानपुर, मंगलवार 30 जुलाई 2024 पृष्ठ: 8 मूल्य-2.00 ₹

जलीय कृषि पर हुआ वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय मंथन

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। बायो लीग इंडिया एवं चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित मत्स्य महाविद्यालय, इटावा द्वारा पशु चिकित्सा मत्स्य पालन एवं पशु पालन विषय पर दक्षिण अफ्रीका में वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने की उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में इस आयोजन के लिए डॉ. एनके शर्मा को बधाई देते हुए समस्त आयोजन समिति के सदस्यों और प्रतिभागियों को इस विषय की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए इस आयोजन की सफलता की कामना की डॉ एनके शर्मा ने जलीय कृषि में नवीनतम रुझान और प्रगति विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए जलीय कृषि में अपनाई जाने वाली नवीनतम तकनीकियों से अवगत कराया इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर और मत्स्य महाविद्यालय, इटावा की प्रगति आख्या से देश-विदेश से प्रतिभाग कर रहे वैज्ञानिकों को अवगत कराया सम्मेलन में प्रमुख रूप से डॉ. जॉन विनसेंट आई मनालो वैज्ञानिक, फिलिपींस, डॉ. रॉयसी विलेनुआवा वैज्ञानिक, फिलिपींस; प्रोफ़ेसर वर्नेड मुलवा फूलन्नदा, केन्या, प्रोफ़ेसर डा. वेंजामिन ओवुकोहो वैज्ञानिक, घाना, डॉ. भास्करन मनीमरन फाउंडर वाइस चांसलर, डा एन फेलिक्स, कुलपति तमिलनाडु, डा. जे जयललिता फिसरिस विश्वविद्यालय, तमिलनाडु आदि देश विदेश के वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया इस तकनीकी सत्र में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एनिमल हसबेंडरी एवं डेरी विभाग के शिक्षक और शोध छात्रों के साथ साथ कृषि इंजिनियरिंग कॉलेज, इटावा और मत्स्य महाविद्यालय, इटावा के शिक्षकों ने भी अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए

प्रतिबद्ध-कुलपति के माध्यम से दी मार्मिक प्रस्तुति

ऋचा मिश्रा ने किया कार्यक्रम में डॉ. राजेश कुमार द्विवेदी, सीडीसी, डा अनिल कुमार यादव, रजिस्ट्रार, डॉ बृष्टि मित्रा, डीन एकेडमिक्स की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। प्रतिभागी छात्रों ने दो लघु प्रस्तुतियां मदारी और भारत माता का मंचन किया मदारी में मानीवयता का बहुत ही खूबसूरती के साथ समावेश किया गया था तो भारत माता के मंचन में निर्देशक ने सामाजिकता का संदेश दिया अंत में अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरण किया गया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. शिवांशु सचान, डा. गोपाल सिंह, डा. तनूजा भट्ट, डा. प्रियंका मौर्य, डा. बद्री नारायण मिश्र, प्रिया तिवारी, डा. स्नेह पांडे, डा. कुलदीप चौहान समेत बहुत से प्रतिभागी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं

डालर 1 रुपया 90.15

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सदैव सच के साथ..

समाज का साथी

amaj.ka.sathi@gmail.com

(वर्ष-10 अंक-29)

पृष्ठ-4 मूल्य : 2.00 रु.

मंगलवार 30 जुलाई-2024

कानपुर नगर से प्रकाशित

जलीय कृषि पर हुआ वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय मंथन

कानपुर । बायो लीग इंडिया एवं सीएसए के अधीन संचालित मत्स्य महाविद्यालय, इटावा द्वारा पशु चिकित्सा मत्स्य पालन एवं पशु पालन विषय पर दक्षिण अफ्रीका में वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने की उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में इस आयोजन के लिए डॉ. एन. के. शर्मा को बधाई देते हुए समस्त आयोजन समिति के सदस्यों और प्रतिभागियों को इस विषय की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए इस आयोजन की सफलता की कामना की। डॉ एनके शर्मा ने जलीय कृषि में नवीनतम रुझान और प्रगति विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए जलीय कृषि में अपनाई जाने वाली नवीनतम तकनीकियों से अवगत कराया। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर और मत्स्य महाविद्यालय, इटावा की प्रगति आख्या से देश-विदेश से प्रतिभाग कर रहे वैज्ञानिकों को अवगत कराया ।सम्मेलन में प्रमुख रूप से डॉ. जॉन विनसेट आई मनालो वैज्ञानिक, फिलिपींस; डॉ. रॉय सी विलेनुआवा वैज्ञानिक, फिलिपींस; प्रोश वर्नेड मुलवा फूलन्नदा, केन्या, प्रोश डा. वेंजामिन ओवुकोहो वैज्ञानिक, घाना, डॉ. भास्करन मनीमरन फाउंडर वाइस चांसलर,डा . एन फेलिक्स, कुलपति तमिलनाडु, डा. जे जयललिता फिसरिस विश्वविद्यालय, तमिल नाडु,आदि देश विदेश के वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। इस तकनीकी सत्र में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एनिमल हसबेंडरी एवं डेरी विभाग के शिक्षक और शोध छात्रों के साथ साथ कृषि इंजिनियरिंग कॉलेज, इटावा और मत्स्य महाविद्यालय, इटावा के शिक्षकों ने भी अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

अमर उजाला कानपुर देहात 30/07/2024

क्रॉप कैफेटेरिया में उन्नत धान की जानकारी ले सकते किसान

संवाद न्यूज एजेंसी

कृषि विज्ञान केंद्र पर धान की 18 प्रजातियों के बारे मिल रही जानकारी

कानपुर देहात। दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में धान फसल की विभिन्न प्रजातियों के प्रदर्शन के लिए क्रॉप कैफेटेरिया(फसल चक्र प्रणाली) लगाया गया है। यहां किसान धान की 18 प्रजातियों के प्रति जागरूक हो रहे हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि किसानों को धान फसल से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारियां होनी चाहिए। इसको लेकर धान की प्रजातियों के परीक्षण के उपरांत जलवायु अनुकूल प्रजातियों का [redacted] प्रजातियों की छह, ऊसर सहनशील छह और सामान्य भूमि के लिए धान की छह प्रजातियों का क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया है।

यहां किसान खुद देखकर धान की उत्तम प्रजातियों का मूल्यांकन कर सकेंगे। इसके अनुसार अनुकूल प्रजातियों का भी चयन कर पाएंगे।

इसका फायदा धान फसल से अधिक लाभ के तौर पर होगा। यहां डॉ. राजेश राय, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. निमिषा [redacted] यादव रहे।

41.0°
अधिकतम

29.2°
न्यूनतम

www.twitter.com/
worldkhabarexpress

www.facebook.com/
worldkhabarexpress

www.youtube.com/
worldkhabarexpress

WORLD
खबरें एक्सप्रेस

www.worldkhabarexpress.media | www.worldkhabarexpress.com | Daily Evening E-Paper

जलीय कृषि पर हुआ अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल मंथन

कानपुर। बायो लीग इंडिया एवं चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित मत्स्य महाविद्यालय, इटावा द्वारा पशु चिकित्सा मत्स्य पालन एवं पशु पालन विषय पर दक्षिण अफ्रीका में वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने की उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में इस आयोजन के लिए डॉ. एन. के. शर्मा को बधाई देते हुए समस्त आयोजन समिति के सदस्यों और

प्रतिभागियों को इस विषय की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए इस आयोजन की सफलता की कामना की। डॉ एनके शर्मा ने जलीय कृषि में नवीनतम रुझान और प्रगति विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए जलीय कृषि में अपनाई जाने वाली नवीनतम तकनीकियों से अवगत कराया। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर और मत्स्य महाविद्यालय, इटावा की प्रगति आख्या से देश-विदेश से प्रतिभाग कर रहे वैज्ञानिकों को अवगत कराया। सम्मेलन में प्रमुख रूप से डॉ. जॉन विनसेट आई मनालो वैज्ञानिक, फिलिपींस; डॉ. रॉय सी विलेनुआवा वैज्ञानिक, फिलिपींस; प्रोफ वर्नेड मुलवा फूलत्रदा, केन्या, प्रोफ डा. वेंजामिन ओवुकोहो वैज्ञानिक, घाना, डॉ. भास्करन मनीमरन फाउंडर वाइस चांसलर,डा . एन फेलिक्स, कुलपति तमिलनाडु, डा. जे जयललिता फिसरिस विश्वविद्यालय, तमिल नाडु,आदि देश विदेश के वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। इस तकनीकी सत्र में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एनिमल हसबेंडरी एवं डेरी विभाग के शिक्षक और शोध छात्रों के साथ साथ कृषि इंजिनियरिंग कॉलेज, इटावा और मत्स्य महाविद्यालय, इटावा के शिक्षकों ने भी अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

अंक-149 कानपुर, मंगलवार 30 जुलाई 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कृषि विज्ञान केंद्र पर लगा धान की 18 प्रजातियों का क्रॉप कैफ़ेटेरिया

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर कानपुर देहात के प्रक्षेत्र पर धान फसल की विभिन्न प्रजातियों के प्रदर्शन हेतु क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया है केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील ख़ान ने बताया कि इससे जनपद के किसानों को धान फसल से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारियां प्राप्त होंगी। डॉ खान ने बताया कि धान की इन प्रजातियों के परीक्षण के उपरांत जनपद की जलवायु के अनुकूल जो प्रजातियां बेहतर परिणाम देंगी उन्हें और अधिक किसानों के मध्य प्रचारित एवं प्रसारित किया जाएगा जिससे किसान लाभान्वित हो उन्होंने बताया कि संकर प्रजातियों की छ ऊसर सहनशील की छ: तथा सामान्य भूमियों हेतु धान की छ: प्रजातियों के तीन खंडों में कुल 18 प्रजातियों का क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया है डॉ खान ने बताया कि कृषक स्वयं क्राफ्ट कैफेटेरिया को देखकर धान की उत्तम प्रजातियों का मूल्यांकन कर सकेंगे और क्षेत्र के अनुकूल प्रजातियों का भी चयन कर सकेंगे जिससे उन्हें धान फसल से अधिक लाभ प्राप्त हो इस अवसर पर डॉक्टर राजेश राय, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर निमिषा अवस्थी, गौरव शुक्ला एवं शुभम् यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अंक-149 कानपुर, मंगलवार 30 जुलाई 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

जलीय कृषि पर हुआ वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय मंथन

आज का कानपुर

कानपुर । बायो लीग इंडिया एवं चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित मत्स्य महाविद्यालय, इटावा द्वारा पशु चिकित्सा मत्स्य पालन एवं पशु पालन विषय पर दक्षिण अफ्रीका में वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने की उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में इस आयोजन के लिए डॉ. एनके शर्मा को बधाई देते हुए समस्त आयोजन समिति के सदस्यों और प्रतिभागियों को इस विषय की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए इस आयोजन की सफलता की कामना की डॉ एनके शर्मा ने जलीय कृषि में नवीनतम रुझान और प्रगति विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए जलीय कृषि में अपनाई जाने वाली नवीनतम तकनीकियों से अवगत कराया इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर और मत्स्य महाविद्यालय, इटावा की प्रगति आख्या से देश-विदेश से प्रतिभाग कर रहे वैज्ञानिकों को अवगत कराया सम्मेलन में प्रमुख रूप से डॉ. जॉन विनसेंट आई मनालो वैज्ञानिक, फिलिपींस, डॉ. रॉयसी विलेनुआवा वैज्ञानिक, फिलिपींस; प्रोफ़ेसर वर्नेड मुलवा फूलन्नदा, केन्या, प्रोफ़ेसर डा. वेंजामिन ओवुकोहो वैज्ञानिक, घाना, डॉ. भास्करन मनीमरन फाउंडर वाइस चांसलर, डा एन फेलिक्स, कुलपति तमिलनाडु, डा. जे जयललिता फिसरिस विश्वविद्यालय, तमिलनाडु आदि देश विदेश के वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया इस तकनीकी सत्र में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एनिमल हसबेंडरी एवं डेरी विभाग

के शिक्षक और शोध छात्रों के साथ साथ कृषि इंजिनियरिंग कॉलेज, इटावा और मत्स्य महाविद्यालय, इटावा के शिक्षकों ने भी अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 32 कानपुर, मंगलवार 30 जुलाई 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

धान की 18 प्रजातियों का क्रॉप कैफ़ेटेरिया क्षेत्रीय किसान होंगे लाभान्वित

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर कानपुर देहात के प्रक्षेत्र पर धान फसल की विभिन्न प्रजातियों के प्रदर्शन हेतु क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया है। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील ख़ान ने बताया कि इससे जनपद के किसानों को धान फसल से संबंधित नवीनतम तकनीकी

जानकारियां प्राप्त होंगी। डॉ खान ने बताया कि धान की इन प्रजातियों के परीक्षण के उपरांत जनपद की जलवायु के अनुकूल जो प्रजातियां बेहतर परिणाम देंगी। उन्हें और अधिक किसानों के मध्य प्रचारित एवं प्रसारित किया जाएगा। जिससे किसान लाभान्वित हो। उन्होंने बताया कि संकर प्रजातियों की छः, ऊसर सहनशील की छः तथा सामान्य भूमियों हेतु धान की छः प्रजातियों के तीन खंडों में कुल 18 प्रजातियों का क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया है। डॉ खान ने बताया कि कृषक स्वयं क्राफ्ट कैफेटेरिया को देखकर धान की उत्तम प्रजातियों का मूल्यांकन कर सकेंगे और क्षेत्र के अनुकूल प्रजातियों का भी चयन कर सकेंगे। जिससे उन्हें धान फसल से अधिक लाभ प्राप्त हो। इस अवसर पर डॉक्टर राजेश राय,डॉक्टर अरुण कुमार सिंह,डॉक्टर निमिषा अवस्थी, गौरव शुक्ला एवं शुभम् यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान,30/07/2024

क्रॉप कैफेटेरिया में धान के प्रजातियों को जानेंगे

कानपुर। सीएसए के कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर में धान की 18 प्रजातियों के प्रदर्शन के लिए क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया, जिले के किसानों को धान फसल से संबंधित नई जानकारियां मिलेंगी। उन्होंने बताया कि संकर प्रजातियों की छह, ऊसर सहनशील की छह और सामान्य खेतों के लिए धान की छह प्रजातियों के तीन खंडों में अलग-अलग क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया है। डॉ. राजेश राय, डॉ. अरुण कुमार सिंह मौजूद रहे।

email: shahardayaranews@gmail.com

दैनिक

शहर दायरा न्यूज

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 9 अंक: 338 कानपुर, मंगलवार 30 जुलाई 2024 पृष्ठ: 8 मूल्य-2.00 ₹

कृषि विज्ञान केंद्र पर लगा धान की 18 प्रजातियों का क्रॉप कैफ़ेटेरिया

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर कानपुर देहात के प्रक्षेत्र पर धान फसल की विभिन्न प्रजातियों के प्रदर्शन हेतु क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया है केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील ख़ान ने बताया कि इससे जनपद के किसानों को धान फसल से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारियां प्राप्त होंगी। डॉ खान ने बताया कि धान की इन प्रजातियों के परीक्षण के उपरांत जनपद की जलवायु के अनुकूल जो प्रजातियां बेहतर परिणाम देंगी उन्हें और अधिक किसानों के मध्य प्रचारित एवं प्रसारित किया जाएगा जिससे किसान लाभान्वित हो उन्होंने बताया कि संकर प्रजातियों की छ ऊसर सहनशील की छ: तथा सामान्य भूमियों हेतु धान की छ: प्रजातियों के तीन खंडों में कुल 18 प्रजातियों का क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया है डॉ खान ने बताया कि कृषक स्वयं क्राफ्ट कैफेटेरिया को देखकर धान की उत्तम प्रजातियों का मूल्यांकन कर सकेंगे और क्षेत्र के अनुकूल प्रजातियों का भी चयन कर सकेंगे जिससे उन्हें धान फसल से अधिक लाभ प्राप्त हो इस अवसर पर डॉक्टर राजेश राय, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर निमिषा अवस्थी, गौरव शुक्ला एवं शुभम् यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे

जिला ... है।

हिंदुस्तान 30/07/2024

तकनीकयुक्त खेती से जलवायु परिवर्तन में लाभ

कानपुर। सीएसए और बायो लीग इंडिया की ओर से वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि कृषि को वैज्ञानिक तकनीक से करें। जिससे न सिर्फ जलवायु परिवर्तन बल्कि कीट और अनेक तरह के रोगों के हमले से बचा जा सकता है। डॉ. एनके शर्मा ने जलीय कृषि में नई तकनीकी अपनाने की सलाह दी। फिलीपींस के डॉ. जॉन विनसेट आई मनालो, डॉ. रॉय सी विलेनुआवा, केन्या के प्रो. वर्नेड मुलवा फूलन्नदा, घाना के प्रो. वेंजामिन ओवुकोहो ने जानकारी दी।

अमर उजाला 30/07/2024

धान की 18 प्रजातियों के प्रदर्शन को लगाया क्रॉप कैफेटेरिया

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीपनगर में धान की 18 प्रजातियों के प्रदर्शन के लिए क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया है। इसमें संकर प्रजातियों की छह, ऊसर सहनशील की छह और सामान्य खेतों के लिए छह प्रजातियों के तीन खंडों में कैफेटेरिया लगाए गए हैं। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि इससे फसल से जुड़ी नई जानकारियां मिलेंगी। (ब्यूरो)

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

अभिमन्यु के साथ जो किया गया, वह भारत... 12

गांव में विकास कार्य कराए बगैर 15 लाख रुपए... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 286
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
मंगलवार | 30 जुलाई, 2024

क्रॉप कैफेटेरिया लगा धान फसल की विभिन्न प्रजातियों का किया प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर कानपुर देहात के प्रक्षेत्र पर सोमवार को धान फसल की विभिन्न प्रजातियों के प्रदर्शन के लिए क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील ख़ान ने बताया कि इससे जनपद के किसानों को धान फसल से संबंधित नवीनतम तकनीकी जानकारियां प्राप्त होंगी। धान की इन प्रजातियों के परीक्षण के उपरांत जनपद की जलवायु के अनुकूल बेहतर परिणाम देने वाली प्रजातियों का किसानों के मध्य प्रचारित एवं प्रसारित किया जाएगा। जिससे किसान लाभान्वित हो। उन्होंने बताया कि संकर प्रजातियों की छः, ऊसर सहनशील की छः तथा सामान्य भूमियों के लिए धान की छः प्रजातियों के तीन खंडों में कुल 18 प्रजातियों का क्रॉप कैफेटेरिया लगाया गया है।

डॉ.खान ने बताया कि कृषक स्वयं क्राफ्ट कैफेटेरिया को देखकर धान की उत्तम प्रजातियों का मूल्यांकन कर सकेंगे और क्षेत्र के अनुकूल प्रजातियों का भी चयन कर सकेंगे। जिससे उन्हें धान फसल से अधिक लाभ प्राप्त हो। इस अवसर पर डॉ.राजेश राय, डॉ.अरुण कुमार सिंह, डॉ.निमिषा अवस्थी, गौरव शुक्ला एवं शुभम् यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।